जांच में नहीं पाया प्लास्टिक चावल

कोरबा(आरएनएस)। शहर के पीडीएस व निजी अनाज दुकानों से लिए गए चावल के सैंपल में प्लास्टिक चावल नहीं पाया है। मंगलवार को रायपुर लैब से सैंपल की रिपोर्ट जिला खाद्य शाखा पहुंची। पखवाड़े भर पहले की गई छापामार कार्रवाई के तहत 7 दुकानों से चावल का सैंपल लिया गया था। शहर में मिलावट के साथ प्लास्टिक चावल मिलने की चर्चा जोर पकड़ रही थी। इसे गंभीरता से लेते खाद्य शाखा ने छापामार कार्रइवाई की थी। सीतामढ़ी के एक दुकान में मजिस्ट्रेट की शिकायत पर कार्रवाई की गई थी। इसी तरह पुरानी बस्ती की उचित मूल्य दुकान के अलावा एक हितग्राही के घर से चावल का सैंपल लिया गया था। इसके अलावा अनाज दुकान संचालकों से भी चावल का सैंपल लिया गया। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए खाद्य विभाग ने लिए सैंपल के चावल को अलग-अलग पोटली में रखकर परीक्षण के लिए रायपुर लैब भेज दिया था। पीडीएस के दुकानों के अलावा स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में भेजे जाने वाले चावल का भी परीक्षण कराया गया। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार एक भी दुकान के सैंपल में शिकायत नहीं मिली है। विभागीय अधिकारी की मानें तो चावल के सैंपल में स्टार्च व अन्य तत्वों का होना पाया गया है। गेंद की तरह उछलने के संबंध में अधिकारी का यह कहना है कि चावल पकने के बाद कुछ समय तक रख दिया जाए तो स्टार्च की वजह से रबर की तरह हो जाता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विकास भगत ने कहा है कि प्लास्टिक चावल मिलने की शिकायत के आधार पर पखवाड़े भर पहले पीडीएस दुकान सहित कई निजी अनाज दुकान में छापामार कार्रवाई के बाद सैंपल लिया गया था। जांच के लिए रायपुर खाद्य शाखा के लैब में भेजे गए चावल की रिपोर्ट मिल चुकी है। सभी दुकानों के चावल सही पाए गए हैं।

छेड़छाड़ के दोषी को तीन साल की सजा

कोरबा(आरएनएस)। बालको थाना अंतर्गत नेहरूनगर में रहने वाली एक 8वीं की छात्रा से बस्ती में ही रहने वाले मनोज शाह 25 ने 7 माह पूर्व अनाचार के इरादे से छेड़छाड़ की थी। मामला विशेष कोर्ट विचाराधीन था। जहां सुनवाई के दौरान आरोपी मनोज शाह पर धारा 8 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 का दोष सिद्ध हो गया। विशेष जज ने मामले में फैसला सुनाते हुए दोषी मनोज शाह को 3 साल सश्रम कारावास व 2000 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।

हितग्राहियों को समय पर पेंशन देना सुनिश्चित करें- कलेक्टर

कोरबा(आरएनएस)। कलेक्टर मो. कैसर अब्दुल हक ने समय सीमा समीक्षा बैठक में विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन अन्तर्गत हितग्राहियों को हर माह समय पर पेंशन सुनिश्चित करने के निर्देश जनपद सीईओ को दिए हैं। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठकम में कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टरों, जनपद सीईओ एवं तहसीलदारों की बैठक लेकर विकास कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने समय-सीमा अन्तर्गत चिन्हांकित प्रकरणों पर निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने जनपद सीईओ को सख्त चेतावनी दिया है कि पेंशन हितग्राही की शिकायत आने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में आधार सीडिंग की समीक्षा कर सत्यापन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पाली एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक को खुले में शौचमुक्त बनाने किए जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्धारित तिथि तक ओडीएफ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अन्तर्गत जनपद सीईओ को हितग्राहियों के केवाईसी की जानकारी, तहसीलदारों को बटांकन कार्य अद्यतन करने, लोक सेवा केंद्रों में आनलाइन आवेदन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने जियो टेगिंग कार्य के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

11 नक्सलियों ने किया पुलिस अधीक्षक के सामने किया सरेंडर

आंध्रप्रदेश के नक्सलियों की मनमानी से थे त्रस्त

ये हैं आत्मसमर्पित नक्सली
वैसे सभी नक्सलियों पर आपराधिक मामले दर्ज है। लेकिन उनमें से प्रमुख कुंजाम हड़मा, माड़वी हिड़मा, ताती सनकी, दिरदो देवा, कवासी देवा, माड़वी मुकेश, कड़ती हिड़मे, कड़ती मंतू, मड़कम हुर्रा, माड़वी बंडी, माड़वी जोगा। वही इनके पास दो बंदूकें भी बरामद की गई हैं।

सुकमा,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के अतिसंवेदनशील नक्सली जिलों में से एक सुकमा में आज दोपहर करीब 12 बजे 11 नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष कार्यालय में पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। बताया जाता है। कि यह सभी नक्सली संगठन में आंध्र प्रदेश के नक्सलियों की मनमानी के चलते आत्मसमर्पण किया है। आत्म समर्पित नक्सलियों में से दो ऐसे नक्सली भी शामिल है जिन पर 8-8 लाख के इनाम घोषित है। पुलिस अधीक्षक कार्यलय में एसपी अभिषेक मीणा ने आरएनएस को बताया कि नक्सलियों से परेशान ओर शासन की नीतियों से प्रभावित होकर ग्यारह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि जिले में लगातार नक्सल ऑपरेशन चलाये जा रहे है। जिसके कारण नक्सलियों पर दबाव बन रहा है। दर्जनों मुठभेड़ में शामिल कुंजाम हड़मा ओर माड़वी हिड़मा ये दोनों बटालियन 1 में प्लाटून सेक्शन के सदस्य है। इन दोनों पर 8-8 लाख का इनाम घोषित है। वही ताती सनकी पर तीन लाख का इनाम बाकी सभी पर एक-एक लाख का इनाम घोषित है। वही एसपी अभिषेक मीणा ने प्रोत्साहित राशि दी। कंपनी के सदस्य और 8 लाख का इनामी माड़वी हिड़मा से मिली जानकारी के अनुसार माओवादियों के लिए काम कर रहा है। लेकिन कुछ समय से बाहर से आये नक्सलियों ने स्थानीय नक्सलियों से दुर्व्यहार करते है। मेरे साथ भी मारपीट की गई। उसके बाद वहा से भागने का मौका देख रहा था। तभी पुलिस में संपर्क में आया और शासन की योजनाओं से प्रभावित होकर सरेंडर किया।

स्टील प्लांट भूमि अधिग्रहण के संबंध में आयोजित ग्राम सभा का किया बहिष्कार

जगदलपुर,(आरएनएस)। नगरनार में बन रहे एनएमडीसी स्टील प्लांट के निजीकरण का विरोध कर रहे एनएमडीसी वर्कर फेडरेशन ने आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों के लिए भूमि के अधिग्रहण के संबंध में आयोजित ग्रामसभा का बहिष्कार किया। स्टील प्लांट प्रभावितों के साथ ही फेडरेशन ने अब एनएमडीसी के विस्तार समेत अन्य सभी सरकारी योजनाओं को विरोध शुरु कर दिया है। इसी तर्ज पर 31 दिसंबर को चोकावाड़ा में आईटीआई निर्माण के लिए आयोजित ग्रामसभा कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित करना पड़ गया। फेडरेशन और स्टील प्लांट प्रभावितों ने विरोध प्रदर्शन निरंतर जारी रखने का निर्णय लिया है।

केबल टीवी कंपनी फास्ट वे ने सरकार को लगाया दो हजार करोड़ का चूना : सिद्धू

चडांगढ़,(आरएनएस)। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर केबल टीवी कंपनी ने फास्ट वे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में केबल कंपनी फास्ट वे ने सरकार को दो हजार करोड़ रुपये का चूना लगाया है। यह कंपनी अब तक राज्य में मनमानी करती रही है और टैक्स की चोरी कर रही है। ट्राई ने भी इस पर सवाल उठाया है। नवजोत सिंह सिद्धू बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केबल टीवी कंपनी फास्ट वे अपनी मनमानी करती रही है। वह टैक्स की चोरी करती रही है। ट्राई ने भी भारत सरकार को लिखा है कि पंजाब में केबल कारोबार में मोनोपली है। उन्होंने कहा कि फास्ट वे के पास अभी 80 लाख कनेक्शन हैं। फास्ट वे को तत्कालीन अकाली दल सरकार का संरक्षण प्राप्त था। फास्ट वे के पूरे खेल और टैक्स चोरी करने के बारे में अकाली सरकार को भी पता था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। सिद्धू ने कहा कि जिन केबल आपरेटरों ने गास्ट वे के समक्ष घुटने नहीं टेके। उनके पर फर्जी मुकदमे करवाए। उन्होंने कहा कि वह चुराए गए टैक्स की रकम हर हाल में वसूल करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे चोर की मां को मारना है और टैक्स चोर को पाताल से भी निकाल लाऊंगा। मैंने पूरे मामले की जानकारी मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को दे दी है। गेंद अब सीएम के पाले में हैं।

बिहार के सांसदों के साथ प्रधानमंत्री ने की मुलाकात

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। इस मुलाकात में कई अहम मुद्दों पर चर्च की गई, जिसमें विशेष रूप से भारत के पूर्वी क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सांसद भी उपस्थित रहे। बता दें कि बिहार में जेडीयू और भाजपा के गठबधन से बनी सरकार के बाद ये पहली बार है कि पीएम मोदी बिहार के सांसदों से मिलेंगे। इससे पहले पीएम गुजरात, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के सांसदों से मुलाकात कर चुके हैं। गौरतलब है कि राज्यसभा में सांसदों की अनुपस्थिति के कारण पीएम मोदी ने नाराजगी जताई थी और कहा था कि आगे से किसी की अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नान घोटाला : कांग्रेस ने की जब्त डायरी में मिले चर्चित नामों पर कार्यवाही की मांग

ईओडब्ल्यू पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

रायपुर,(आरएनएस)। नागरिक आपूर्ति निगम (नान) में मारे गए छापे के दौरान मिली डायरी में चर्चित नामों पर कार्यवाही की मांग करते हुए आज कांग्रेसजनों ने एक बार फिर से ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि दिनांक 9 फरवरी 2015 को नागरिक आपूर्ति निगम में मारे गए छापों के बाद दर्ज फआईआर में अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इस ज्वलंत मुद्दे पर केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्यवाही की गई है, जबकि पूरे घोटाले में शामिल लोगों के नाम पर जब्त डायरी में स्पष्ट हैं। डायरी में दर्ज दो आईएएस अफसरों के खिलाफ कार्यवाही के लिए केन्द्र की ओर से भी अनुमति मिल गई है। इसके बाद भी इन पर कार्यवाही नहीं किया जाना संदेह के दायरे में है। इन दोनों अफसरों के अलावा मत्रालय आर नान में पदस्थ कई बड़े अधिकारियों और उनसे संबंधित लागों के नाम भी दर्ज हैं। लेकिन इन लोगों पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। कांग्रेसजनों ने कहा कि इस मामले में प्रस्तुत चालान में दस्तावेज क्रमांक डी-11 और डी-15 अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि राजकीय दस्तावेज परीक्षक से प्रमाणित करवाकर प्रस्तुत किया गया है। पूरे मामले में नान के एमडी अनिल टुटेजा और आईएएस अफसर आलोक शुक्ला का नाम भी शामिल है। इसके अलावा पीडीएस मैनेजर शिव शंकर भट्ट से जब्त दस्तावेजों में दो बड़े नाम भी हैं, लेकिन विभाग ने आज तक इन पर कार्यवाही तो दूर जांच तक नहीं की है। अतः इस मामले में सभी दोषियों पर तत्काल जांच और कार्यवाही की जाए।

सिहावा में सावन माह में भगवान शिव के जलाभिषेक करने कावड़ियो का जत्था पहुँच रहा

सिहावा,(आरएनएस)। महानदी के उदगम स्थल श्रृंगी ऋषि के तपोभूमि ग्राम पंचायत सिहावा तथा कर्णेश्वरधाम देऊरपारा में बोल बम में पधारे भगवान शिव के भक्तो की ताता लगी हुई है । जिसमें हजारों श्रद्धालु दूर दूर से आकर हजारों किमी की दूरी तय कर भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते है । और भगवान शिव में जलाभिषेक करते हैं । जिसमें रायगढ़,उडीसा, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ के कांकेर, जगदलपुर, कोडागांव, दन्तेवाडा तथा धमतरी,रायपुर , गरियाबंद , देवभोग के श्रद्धालु भगवान शिव में जलाभिषेक करने पहुॅचते हैं । बजरंग दल, हिन्दू संगठन सिहावा, श्रृंगी ऋषि गौ सेवा समिति पण्डरीपानी तथा श्रृंगी ऋषि आश्रम सिहावा , महानदी सेवा समिति सिहावा के द्वारा पूरे सावन माह तक सुबह, दोपहर तथा रात्रि के लिये श्रद्धालुओं के लिए भोजन भण्डारा की व्यवस्था की गई है ।

कश्मीरी अलगाववादियों के लिए पाक फंडिंग का सबूत नहीं: बासित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि हुर्रियत नेता सैयद अली शाह गिलानी के कथित करीबी सहयोगी देविंदर सिंह बहल इस्लामाबाद के संपर्क में थे। जबकि पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने मंगलवार को बताया कि उनके पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं। भारत ने पहले भी बगैर सबूत इस तरह के आरोप ल÷ाए हैं। एएनआई से बात करते हुए बासित ने कहा, 'मैंने इस शख्स का नाम कभी नहीं सुना है। पहले हमें यह समझना होगा कि यह नई समस्या नहीं है। पाकिस्तान के स्वतंत्र होने के बाद से ही जम्मू कश्मीर का मामला चल रहा है। जम्मू कश्मीर के लोग अपने अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' बासित ने आगे बताया, 'भारत के आरोप नए नहीं है। पहले भी ऐसे आरोप लगाए गए हैं लेकिन साबित नहीं हो सके। मेरा विश्वास है कि इस बार भी ऐसा ही होगा।' ने सोमवार को नौशेरा में आतंकी फंडिंग मामले में जम्मू कश्मीर सोशल पीस फोरम के चेयरमैन देविंदर सिंह बहल के आवास पर छापेमारी की। अलगाववादियों के साथ संदिग्ध संपर्क पर बहल से पूछताछ की। बहल का हुर्रियत नेताओं के साथ करीबी संपर्क रहा है और वह नियमित तौर पर आतंकियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते रहे हैं। तलाशी के दौरान टीम ने चार मोबाइल फोन, एक टैबलेट अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज के साथ कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। ,पाकिस्तान के नियंत्रकों से अलगाववादी नेताओं तक फंड पहुंचाने के लिए कुरियर की भूमिका निभाने के संदिग्ध बहल की जांच की जा रही है। गत 24 जुलाई को ने सात अलगाव वादियों को कश्मीर में टेरर फडिंग के लिए मनी लॉड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया। सभी सात अलगाववादी नेताओं- अल्ताफशाह, अयाज अकबर, पीर सैफुल्लाह, मेहराज कलवल, शाहिद-उल-इस्लाम, नईम खान और बिट्टा कराटे को 10 दिन के हिरासत में भेजा गया।

अनाचार के दो आरोपियों को 20-20 साल का सश्रम कारावास

कोरबा(आरएनएस)। दो साल पहले कटघोरा थाना अंत÷त बनखेता में रहने वाली एक आदिवासी किशोरी को मानपुर निवासी रॉकी उर्फ राखी यादव अपने साथी रवि यादव के साथ बहला-फुसलाकर बाइक में ले गया था। इसके बाद उसे 3-4 दिनों तक रावा, नुनेरा, नवागांव में अलग-अलग ले जाकर दोनों युवकों ने उससे अनाचार किया। बाद में वे डूमरमुड़ा में पीड़िता को बस में बिठाकर भाग गए। पीड़िता किसी तरह बिंझरा निवासी अपने रिश्तेदार के यहां पहुंची, जहां से परिजनों को खबर दी गई। मामले की रिपोर्ट कटघोरा थाना में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले में अपहरण व सामूहिक अनाचार समेत लैंगिंग अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत कार्रवाई की। मामला विशेष कोर्ट में विचाराधीन था। जहां विशेष जज योगेश पारीक ने सुनवाई के बाद सोमवार को मामले में फैसला सुनाया। इसमें दोनों आरोपियों पर दोष सिद्ध पाते हुए उन्हें 20-20 साल का सश्रम कारावास व 11-11 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

सुराकछार रेल्वे सायडिंग से जारी है कोयला चोरी

जेल से बाहर आते ही सक्रिय हुआ चोरों का सरदार

कोरबा,(आरएनएस)। साऊथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि. (एसईसीएल) के कोरबा क्षेत्र की सुराकछार रेल्वे सायडिंग इन दिनों कोयला चोरों के निशाने पर है। यहां से प्रतिदिन तीन से चार ट्रक उच्च श्रेणी बी ग्रेड के कोयले की खुलेआम चोरी हो रही है। यह कोयला बांकीमोंगरा, सिंघाली-सुतर्रा-पाली के रास्ते बिलासपुर पहुंचाया जाता है। हाल ही में जेल से बाहर आया कोयला चोरों का सरदार फिर से सक्रिय हो गया है। एस.ई.सी.एल.की कोरबा जिले की खदानों से कोयला चोरी आम बात है। वक्त के साथ चोरों की शक्ल बदल जाती है, लेकिन चोरी का कारोबार यथावत जारी रहता है। कोरबा क्षेत्र की सुराकछार रेल्वे सायडिंग इन दिनों सुर्खियों में है। यहां से उच्च गुणवत्ता की बी ग्रेड का कोयला रेल्वे के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है। चूंकि जिले में बी ग्रेड के कोयले का उत्पादन सीमित मात्रा में होता है, इसलिए पहले सुराकछार रेल्वे सायडिंग में कोयला संग्रहण किया जाता है और उसके बाद रेक में लदान होता है। इन दिनों सुबह से ही सुराकछार के आसपास के निवासी महिला पुरूष बच्चे बोरियां लेकर रेल्वे सायडिंग पहुंच जाते हैं और इसके बाद शुरू होता है-बोरियों में कोयला भरकर चोरी का सिलसिला। दिन में किसी भी समय यह नजारा देखा जा सकता है। शाम 6 बजे के बाद तो एक साथ 70-80 लोगों के हुजूम को कोयला चोरी कर ले जाते देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार रेल्वे सायडिंग से कुछ ही दूरी पर ट्रकें खड़ी रहती है। यहां बोरियों का कोयला ट्रक में भरा जाता है। कोयला चोरों को प्रति बोरी पचास रूपये का भुगतान किया जाता है। स्थानीय स्तर पर धीरज और कुन्दन नामक दो लोगों द्वारा कोयला चोरी और ट्रकों को बिलासपुर भेजने का मैनेजमेंट किया जाता है। कोयला के इस काले धन्धे को कोरबा के कुछ सफेदपोश लोगों का भी संरक्षण बताया जा रहा है, जो प्रेस, पुलिस और पालिटिक्स में अपनी मजबूत पकड़ का दावा करते हैं। सबसे अधिक आश्चर्य की बात तो यह है कि चोरी का कोयला परिवहन करने वाली ट्रकें प्रतिदिन बांकीमोंगरा, कटघोरा, पाली, रतनपुर, कोनी बिलासपुर के पुलिस थाना क्षेत्रों से गुजरती हैं। बावजूद इसके रोज चोरी का कोयला ले जाने वाली ट्रकें किसी भी थाना की पुलिस की पकड़ में नहीं आती। यही वजह है कि इस काले धन्धे में पुलिस की सांठ-गांठ की चर्चा हमेशा बनी रहती है। सुराकछार रेल्वे सायडिंग के इंचार्ज पर भी कोयला चोरों से सांठ-गांठ करने का संदेह जताया जाता है। सुराकछार के अलावे एस.ई.सी.एल. कोरबा क्षेत्र की सिंघाली, ढेलवाडीह, रजगामार कोयला खदान से भी कोयला चोरी की सूचनाएं मिल रही हैं। इन खदानों में उच्च गुणवत्ता का बी ग्रेड कोयला का उत्पादन होता है। ऊंचे दर पर बिकने वाले बी ग्रेड कोयला की बाजार में काफी मांग है। कोरबा क्षेत्र की ही मानिकपुर खुली खदान से भी कुछ दिनों के विराम के बाद कोयला चोरी का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। पिछले दिनों पुलिस ने मानिकपुर क्षेत्र में कार्यवाही कर अवैध रूप से संग्रहित कोयला का भण्डार जप्त किया था और मनजीत सिंह नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मनजीत सिंह के खिलाफ पुलिस की इस कार्रवाही के बाद मानिकपुर से कोयला चोरी पर कुछ समय के लिए रोक लग गयी थी। लेकिन पिछले दिनों से यहां एक बार फिर कोयला की चोरी आरंभ हो गयी है। सूत्रों के अनुसार जिले की कुसमुण्डा, गेवरा और दीपका कोयला खदानों से भी कोयला चोरी कर पास के गांवों में संग्रहित किया जाता है। बाद में यह कोयला ट्रेक्टर, पिकप, मेटाडोर और ट्रकों के माध्यम से पड़ोसी जिलों के ईंट भट्ठों और बिलासपुर जिले के कोयला डिपों में पहुंचाया जाता है। कोयला तस्करी के इस कारोबार में इन दिनों बिलासपुर के एक कौशिक का नाम भी चर्चा में हैं, जिसकी राजनीतिक पहुंच की धमक पूरे कोयलांचल में सुनी जा रही है।

हाईकोर्ट पर उत्पीडऩ का आरोप लगा रायबरेली के जिला जज ने इस्तीफा दिया

रायबरेली,(आरएनएस)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमल किशोर शर्मा ने मंगलवार को अपने उत्पीडऩ के आरोपों के साथ पद से त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने महानिबंधक को अपना इस्तीफा भेजा है, जिसमें उन्होंने त्यागपत्र के कारण भी बताए हैं। हाईकोर्ट ने फिलहाल अभी उनके इस्तीफे की पुष्टि नहीं की है, हालांकि त्यागपत्र सोशल साइट्स पर वायरल है। इस्तीफे की पुष्टि की लेकिन, ज्यादा कुछ कहने से इन्कार किया। उन्होंने कहा कि इस्तीफे में जो लिखा है, वह सही है। मंगलवार को सोशल मीडिया में जो पत्र वायरल हुआ।

विज्ञान समाचार Science News

डायनासोर पर गलती 10 साल के बच्चे ने पकड़ी

लंदन: स्थित नेचुरल हिस्ट्री म्यूजिम देखने पहुंचेए ऑटिज़्म से पीड़ित एक 10 साल के बच्चे ने प्रदर्शित डायनासोर में म्यूज़ियम की एक बड़ी ग़लती पकड़ कर लोगों को चौंका दिया। म्यूज़ियम ने स्वीकार किया है कि 10 साल के बच्चे ने बताया कि एक डायनासोर पर ग़लत लेबल लगाया गया है। एसेक्स इलाके में रहने वाले चार्ली एस्पर्जर सिंड्रोम से ग्रस्त हैं, वो डायनासोर के फैन हैं। इस बीमारी को आमतौर पर ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर बताया जाता है। जिसमें पीड़ित खुद में खोया रहता है। म्यूज़ियम में अपने परिवार के साथ घूमते हुए चार्ली ने पाया कि डायनासोर की प्रजातियों में से एक के बारे में दी गई जानकारी ग़लत है। हालांकि उसके परिजनों को इस बात पर भरोसा नहीं हुआ कि म्यूज़ियम ने ग़लती की है लेकिन चार्ली ने ये समझाने की पूरी कोशिश की कि जिस चित्र के ज़रिए डायनासोर को दिखाया गया है दरअसल वह दूसरी प्रजाति का है। चार्ली के परिजन अपने दोनों बेटों को लेकर 21 जुलाई को लंदन म्यूजियम गए थे, जब दूसरे बच्चे डायनासोर देखने में व्यस्त थे तब चार्ली ने उनके बारे में पढ़ना शुरू किया। डायनासोर की प्रजाति ऑविरैप्टर की ख़ासियत यह थी कि उसकी एक चोंच होती थी और वह पिछले पैरों से चलता था, लेकिन म्यूज़ियम में जो चित्र लगा था उसमें उसे चारों पैरों से चलता दिखाया गया था। चार्ली की मां जैडे ने बीबीसी को बताया कि उसे डायनासोर के बारे में अच्छी जानकारी है।

भ्रूण में ही बच्चे को मिलेगी बीमारी से मुक्ति

वैज्ञानिकों ने पहली बार हृदय रोग का कारण बनने वाले खराब डीएनए के एक हिस्से को भ्रूण से अलग करने में कामयाबी पायी है। इसके ज़रिए अब तकरीबन 10,000 अनुवांशिक गड़बड़ियों का इलाज़ करने के रास्ते खुलने की उम्मीद हैए जो कई पीढ़ियों तक अपना असर असर डालते थे। अमरीका और दक्षिण कोरिया की एक टीम ने भ्रूण को पांच दिनों तक विकसित होने दिया। इस अध्ययन ने एक ओर जहां नई दवाओं को लेकर उम्मीद जगाई हैए वहीं दूसरी तरफ़ ये भी सवाल उठ रहा है कि ये नैतिक रूप से कितना सही है। डीएनए में काट छांट की तकनीक के मामले में विज्ञान अपने सुनहरे युग में है और इसके लिए 2015 में सामने आई नई तकनीक क्रिस्पर का बड़ा योगदान है। दवाओं में इसका प्रयोग बड़े पैमाने पर है और इसके ज़रिए आनुवांशिक खराबियों जिनसे सिस्टिक फ़ाइब्रोसिस से लेकर स्तन कैंसर तक होने का ख़तरा होता हैए को शरीर से पूरी तरह बाहर किया जा सकता है। अमरीका की ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी और साल्क इंस्टीट्यूट के साथ दक्षिण कोरिया की इंस्टीट्यूट फॉर बेसिक साइंस की टीमों ने हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी पर ज्यादा फोकस किया। अध्ययन के मुताबिक़ हर 500 में से एक व्यक्ति ऐसी गड़बड़ी का शिकार है और इसकी वजह से दिल धड़कना कभी भी बंद हो सकता है।